

# સત્સંગ શિક્ષણ પરીક્ષા

બોચાસણવાસી શ્રી અક્ષરપુરુષોત્તમ સ્વામિનારાયણ સંસ્થા, શાહીબાગ, અમદાવાદ - 380 004.

## સત્સંગ પ્રવેશ - ૨ SAT SANG PRAVESH - 2

રવિવાર, 18 ફેબ્રુઆરી, 2001

સમય : બપોરે 2 થી 4:15

કુલ ગુણ :- 75

CENTRE NO.

(કેન્દ્ર નંબર)

--	--	--	--

CENTRE NAME

(કેન્દ્રનું નામ)

--

EXAMINEE'S SEAT NO. (Write Clearly & Legibly)

(પરીક્ષાર્થીનો બેઠક ક્રમાંક (ચોક્સાઈથી સ્પષ્ટ અક્ષરે લખવો))

IN NUMERICS

(અંકડામાં)

--	--	--	--	--	--

IN WORDS

(શાબ્દોમાં)

--

ઉત્તરની ભાષા (MEDIUM)

AGE OF EXAMINEE (ઉંમર).....

EDUCATION OF EXAMINEE .....

(પરીક્ષાર્થીનો અભ્યાસ)

(ઉત્તરની તમામ વિગતો સ્પષ્ટ વંચાય તેવા અક્ષરે લખાઇ છે  
તેની ચકાસણી કર્યા પછી જ વર્ગ સુપરવાઈઝરે સહી કરવી.)

Signature Of Exam Supervisor .....

(વર્ગ સુપરવાઈઝરની સહી)

મોડરેશન કાર્યાલય માટે જ	પ્રશ્ન નંબર	મેળવેલ ગુણ
	1	
	2	
	3	
	4	
	5	
	6	
	7	
	8	
	9	
	10	
	11	
કુલ ગુણ		

### Note (નોંધ) :-

- Figures given on the right hand side indicate the marks for that question.

(જમણી બાજુએ આપેલા અંકો જે તે પ્રશ્નોના ગુણાંક દર્શાવે છે.)

- Follow the instructions while answering.

(પ્રશ્નોના જવાબ સૂચના મુજબ આપવા.)

પેપર તપાસનાર (પરીક્ષક)ની સહી.

- Answers should be clear without cancellations.

(છેકછાકવાળા જવાબો માન્ય ગણાશે નહીં.)

.....

## ( विभाग - १ किशोर सत्संग प्रवेश )

प्र.१. निम्नलिखित वाक्य कौन, किससे और कब कहते हैं, वह लिखिए।

[ १० ]

१. “महाराज आपको क्यों नहीं ले जाते ?”

कौन कहता है? ..... किसे कहता है? .....

कब? .....

२. “आप खाविंद मालिक, आपके आँचलमें मुझे बैठने का स्थान मिला यह ही मेरे मन साक्षात्कार ।”

कौन कहता है? ..... किसे कहता है? .....

कब? .....

३. “यहां रहेंगे तो सगे संबंधी आयेंगे, रोएंगे और दुःख पहुंचायेंगे ।”

कौन कहता है? ..... किसे कहता है? .....

कब? .....

४. “पहले आप धाममें जाइये, बादमें मैं आता हूँ ।”

कौन कहता है? ..... किसे कहता है? .....

कब? .....

५. “इस बार इन्द्र कोपायमान हुआ है । इस लिये बारिश नहीं होगी ।”

कौन कहता है? ..... किसे कहता है? .....

कब? .....

प्र. २. नीचे दिये हुए वाक्योंमें से केवल सात सही वाक्यों को ढूँढकर सभी वाक्यों को क्रममें लिखकर अटूट प्रसंग लिखे।

( केवल क्रम के रूपमें लिखो । )

[ ७ ]

प्रसंग :- जालमसिंह

१. बापु तुरन्त ही घोड़ी पर चढ़कर गढ़ा रवाना हुए । २. “लेकिन महाराज ! हमको क्या लाभ ?” ३. बापुको तुरन्त ही पहुंचना था । ४. “मैं अभी ही मेरे गाँवसे अच्छा नाई ले आऊँ ।” ५. “जाओ, तुम्हारे गाँव में यमदूत नहीं आएंगे ।” ६. अपने इष्टदेवके लिये क्या न किया जाय ? ७. “केशाबा ! क्या कर रहे हो ?” ८. इतनेमे ब्रह्मानंद स्वामी वहाँ आकर खड़े हो गए । ९. महाराजने पीपलके वृक्ष नीचे बैठकर हजामत करवाई । १०. जालमसिंह बापू देवलिया गाँवके रहनेवाले थे । ११. बापु नाईको घोड़े पर बैठकर लेकर आए । १२. महाराजने संत-हरिभक्तोंके साथ डोली तालाबमें स्नान किया ।

केवल क्रम :- [    ] [    ] [    ] [    ] [    ] [    ] [    ]

प्र. ३. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए।

[ ६ ]

१. श्रीजीमहाराजने ‘गोपीनाथजी महाराज की जय’ क्यों बुलवाई ?

.....

२. गुणातीतानंद स्वामी गुरु के लिये क्या कहते थे ?

.....

३. रत्नाकर और चार भाईओंकी कहानी से क्या बोध मिलता है ?

.....

४. अन्नकूटोत्सव के लिये कौनसी दो शास्त्रकथा प्रचलित है ?

.....

५. राणा राजगरने श्रीजीमहाराज के पास कौनसा वरदान माँगा ?

.....

६. झमकुबा गढ़डेमें किन किन प्रकारकी सेवा करते थे ?

.....

प्र. ४. निम्नलिखित स्वामी द्वारा कही गई बातों मेंसे किसी भी एक पूर्ति कर उसका निरूपण कीजिए।

[ ६ ]

१. सत्संग हो जाय लेकिन संग बिना .....      अथवा      १. एक व्यक्तिने लाख .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. ५. निम्नांकित कीर्तन / अष्टक / श्लोक की रिक्तता की पूर्ति कीजिए।

[ ४ ]

१. लोकोत्तरे ..... भ्रमन्तम् ।  
यज्ञांश्च ..... नमामि ॥
२. प्रभुपद प्रगट करावत ..... भारी ।  
परमकृपालु ..... सब दुःख हारी ॥
३. भक्ति ऐ ज अमारु .....  
..... रोम भरी ॥
४. प्रसंगमजरं ..... मात्सन : ..... विदु : ।  
..... साधुषु ..... पावृत्तम् ॥

( विभाग - २ शास्त्रीजी महाराज )

प्र. ६. निम्नलिखित वाक्य कौन, किससे और कब कहते हैं, यह लिखिए।

[ १० ]

१. “मैं तो साधु होकर विद्वान बनूंगा और बहुतसे लोगोंको ब्रह्मविद्या पढ़ाऊंगा ।”  
कौन कहता है? ..... किसे कहता है? .....  
कब? .....
२. “वह तो मेरा प्रिय लाल है, यह तो बेठेगा ।”  
कौन कहता है? ..... किसे कहता है? .....  
कब? .....
३. “हम और वरतालवाले एक ही हैं ।”  
कौन कहता है? ..... किसे कहता है? .....  
कब? .....
४. “बहुतसे मुमुक्षुओं का जो मोक्षका द्वार बंद हो गया था, आज तुमने वह खोल दिया ।”  
कौन कहता है? ..... किसे कहता है? .....  
कब? .....
५. “मुझमें और जोगीमें एक रोमका भी फर्क नहीं है । आप सब जोगी महाराजकी आज्ञाका पालन करना ।”  
कौन कहता है? ..... किसे कहता है? .....  
कब? .....

प्र. ७. निम्नलिखित प्रसंगोंमें से किसी एक प्रसंगके केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए। (विवरण आवश्यक नहीं है) [ ५ ]

१. गुणातीत के लिये मुंडन करवाया है ।      २. थटकिला बिच्छू ।      ३. वढवाण मंदिरमें अक्षरपुरुषोत्तम की मूर्तिप्रतिष्ठा ।

प्रसंगः

8. ....

.....

9. ....

.....

10. ....

.....

11. ....

.....

12. ....

.....

13. ....

.....

14. ....

.....

15. ....

.....

प्र.८. निम्नलिखित प्रश्नोंके उत्तर एक वाक्यमें दीजिए।

[ ५ ]

१. डुंगर भक्तने कब दीक्षा ली ?  
.....
  २. किस हरिभक्तके प्रयत्न से गढ़ामें चोटी परकी जमीन मिल गई ?  
.....
  ३. छोटे साधुको शास्त्रार्थके लिये आते देखकर महीधर शास्त्री हसे तब गुरु रंगाचार्यने क्या कहा ?  
.....
  ४. बोचासण मंदिर की प्रतिष्ठा कब हुई ?  
.....
  ५. स्वामीश्री की ८०वी जयंती मनाने पहला विचार किसे आया था ?  
.....

प्र.९. नीचे दिए गये वाक्य सही हैं या गलत यह निर्देशित करके गलत वाक्योंको सुधारकर लीखिए।

[ ५ ]

१. “तुम वर्तमान अंगीकार करके सत्संगी हो जाओ तो हम जिमेंगे ।”  

.....

२. भगतजी महाराज और शास्त्रीजी महाराजका प्रथम मिलन वरताल में हुआ ।

३. शास्त्रीजी महाराजने मगनभाई को सारंगपुरमें मंदिर करना है इसके लिये कीर्तन बनानेका को कहा ।

४. यज्ञपुरुषदासके समागम से रंगाचार्यके शांकरमतके संस्कार बदल गए ।

५. वरताल छोडने की सलाह शास्त्रीजी महाराजको जागा भक्तने दी ।

प्र. १०. निम्नलिखित वाक्यों में खाली जगहकी पूर्ति कीजिए।

[ ۶ ]

१. यह लड़का साधु हो जाय तो मेरा वारिस बन जाय ऐसा ..... ने सोचा ।
  २. भगतजी महाराजने यज्ञपुरुषदासजी को सुरतमें ..... वचनामृत समझाया ।
  ३. यज्ञपुरुषदासजी द्वारा दिए गए तुंबजी और हार ..... चाणसदमें भगतजीको अर्पण किया ।
  ४. यह यज्ञपुरुषदास आप सबके मन शुद्ध करनेकी ..... है ।
  ५. अटलादराका मंदिर बनाने के लिये ..... ने जमीन खरीदकर शास्त्रीजी महाराजको अर्पण की ।  
(जिस पर्याय में यज्ञपुरुषदासजी द्वारा उन्हें दिया गया था)

प ११ निम्नलिखित विषय के जरिये प्रदेशक रूपरेखा के आधार पर विस्तार कीजिए।

[ 92 ]

- १ तपस्वी द्वीपा भगव (लोधिका अल्लकुट - उपवास)

२. वीर भगुजी । ( भाणखाचरने मारनेवालेको ईनाम - खबड और मतारो - नाई)

३. मुमुक्षु किस दिशामें है ? (पीपलके वृक्ष पर - पश्चिममें - मुमुक्षु पुकारते हैं)